को उपहार/दान में देने के लिए तथा विदेश स्थित हमारे मिशनों में एक मानक पुस्तकालय बनाने के लिए भारतीय इतिहास, संस्कृति साहित्य, धर्म आदि पर विदेश स्थित अपने मिशनों को पुस्तकें भेजती रहती है।

मंत्रालय ने पोर्ट आफ स्पेन, पोर्ट लुई, सुवा, जॉर्ज टाउन, लंदन और पारामारिबो में हिन्दी अधिकारियों और काठमाण्डू में हिन्दी अनुवादक की नियुक्ति भी की है, जो हिन्दी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का भी प्रचार-प्रसार का कार्य करते हैं।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् बहुत से देशों में सांस्कृतिक केन्द्र चला रही है। भारतीय संस्कृति के प्रचार के लिए सामान्यतया विदेश स्थित हमारे मिशनों में सूचना और सांस्कृतिक खण्ड हैं।

**Sale of supercomputers to India by U. S.**

@1657. SHRI CHITTA BASU:
SHRI RAMKRISHNA MAZUMDER:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether U. S. has since taken any final decision to supply super computers to India;

(b) if so, what is the nature of the decision;

(c) whether any conditions are attached; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) Government have received no communication regarding the final decision of the U.S. Goverment to suppl suprocomputers to India.

(b) to (d) Do not arise.

@Previously Unstarred Question 1154 transfered from the 5th March 1987.

**राजभाषा समिति**

**1658. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गृह मंत्री जी संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष हैं, और यदि हां, तो वह इस समिति के कार्यालय में कितनी बार गए हैं;

(ख) क्या उन्होंने कभी इस समिति की तीन उप-समितियों में से किसी एक की भी बैठक में भाग लिया है और क्या उन्होंने कभी समिति के निरीक्षण कार्य की समीक्षा की है;

(ग) क्या यह सच है कि राजभाषा के प्रभारी मंत्री होने के नाते उन्होंने केन्द्रीय मंत्रालयों को अपने यहां हिन्दी सलाहकार समितियों का गठन करने और वर्ष में उनकी कम से कम चार बैठकें बुलाने के बारे में पत्र लिखकर अनुरोध किया है; यदि हां, तो कब और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या यह भी सच है कि गृह मंत्री अपने मंत्रालय के कार्य में इतने व्यस्त रहते हैं कि उन्हें राजभाषा के बारे में सोचने का अवसर नहीं मिल पाता है और यही कारण है कि कोई भी मंत्री या सचिव राजभाषा को गंभीरता से नहीं लेता है?

**गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिन्तामणि पाणिग्रही)** : (क) जी हां, गृह मंत्री जी संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष हैं। पिछले कुछ समय में उनका समिति के कार्यालय में आने का अवसर नहीं आया। तथापि, समिति की अब तक हुई सभी बैठकों की उन्होंने अध्यक्षता की है।

(ख) संसदीय राजभाषा समिति की कार्यविधि और कार्य संचालन की नियमावली के अनुसार अध्यक्ष द्वारा उप-समितियों के कार्यकलाप में भाग लेना अपेक्षित नहीं है। इन उप-समितियों की निरीक्षण